4. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

आकाश में हवाई जहाज नहीं थे और न बस ही गिर रहे थे। किन्तु चारों तरफ आग दहक रही थी। जिससे लपटों की जगह कंकाल उठ रहे थे, जिसमें औरतों का सतीत्व भस्म हो रहा था। वह आग एक प्राचीन संस्कृति को भून रही थी।

5. 'चंद्रगुप्त' नाटक की ऐतिहासिकता पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

6. 'रिपोर्ताज' की विशेषताएँ लिखिए।

7. नाटक के उद्‌भव और विकास पर एक लेख लिखिए।

8. हिन्दी नाटक के विकास में जयशंकर प्रसाद के योगदान का विवेचन कीजिए।

9. धर्मवीर भारती के लघु नाटकों और एकांकियों का परिचय दीजिए।

MAHD–05

December – Examination 2021

M.A. (Final) Examination

HINDI

नाटक और कथेत्तर गद्य विधाएँ

Paper : MAHD-05

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **4×4=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है।

1. (i) भारतेन्दुयुगीन प्रमुख नाटककारों के नाम लिखिए।

(ii) 'अंधा युग' का पहला मंचन कब और कहाँ हुआ था ?

(iii) 'कविता क्या है' निबंध किस निबंधकार द्वारा लिखित है ?

(iv) हिन्दी के **दो** जीवनीकारों का नामोल्लेख कीजिए।

(v) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' किसका निबंध संग्रह है ?

(vi) हरिशंकर परसाई को साहित्य अकादमी सम्मान उनकी किस कृति पर प्राप्त हुआ ?

(vii) 'शृंखला की कड़ियाँ' किस विधा की रचना है ?

(viii) हिन्दी की प्रमुख यात्रा-वृत्तान्त कृतियों के नाम लिखिए।

खण्ड—ब **4×16=64**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"मैं अकेले दम इस घर की जिम्मेदारियाँ नहीं उठाती रह सकती और एक आदमी है जो घर का सारा पैसा डुबोकर सालों से हाथ पर हाथ धरे बैठा है। दूसरा अपनी कोशिश से कुछ करना तो दूर, मेरे सिर फोड़ने से भी किसी ठिकाने लगना अपना अपमान समझता है। ऐसे में मुझसे भी नहीं निभ सकता। जब और

किसी को यहाँ नहीं किसी चीज का, तो अकेली मैं ही क्यों अपने का चीथती रहूँ रात-दिन ? मैं भी क्यों न सुर्खरू होकर बैठ रहूँ अपनी जगह ? उससे तो तुममें से कोई छोटा नहीं होगा।"

3. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"समाजवाद टीले से चिल्लाता है—मुझे बस्ती में ले चलो। मगर टीले को घेरे समाजवादी कहते हैं—पहले यह तय होगा कि कौन तेरा हाथ पकड़कर ले जाएगा। समाजवाद की घेराबंदी है। संसोपा-प्रसोपा वाले जनतांत्रिक समाजवादी हैं, पीपुल्स डेमोक्रेसी और नेशनल डेमोक्रेसी वाले समाजवादी हैं। क्रांतिकारी समाजवादी है। हरेक समाजवाद का हाथ पकड़कर उसे बस्ती में ले जाकर लोगों में कहना चाहता है—लो, मैं समाजवाद ले आया। समाजवाद परेशान है। उधर जनता भी परेशान है। समाजवाद आने को तैयार खड़ा है, मगर समाजवादियों में आपस में धौल-धप्पा हो रहा है। समाजवाद एक तरफ उतरना चाहता है कि उस पर पत्थर पड़ने लगते हैं। 'खबरदार उधर से मत जाना' एक समाजवादी उसका एक हाथ पकड़ता है, तो दूसरा हाथ पकड़कर खींचता है। तब बाकी समाजवादी छीना-झपटी करके हाथ छुड़ा देते हैं। लहू-लुहान समाजवाद टीले पर खड़ा है।"